"यीशु का पुनरूथान"

पुनर्जिवित यीशु में हमारी संगति अनत्ल जीवन का वादा है।

बच्चों के शिक्षकगणों को इस अध्ययनमाला से **E1b** पढ़ना चाहिये

प्रार्थना: दित्य स्वर्गीय पिता, आपका धन्यवाद करते हैं कि आपने अपना पुत्र हमारे गुनाहों के लिए दिया। धन्यवाद करते हैं कि यीशु के जी उठने के द्वारा हमें नया जीवन मिला। हमे अध्ययन के द्वारा वह शक्ति और अधिकार प्रकट करना जो आपने यीशु के पुनर्जिवित होने पर प्रकट किए।

ईस्टर से कई सप्ताह पहले यीशु के पुनरूस्थान पर्व को मनाने की तैयारी शुरू करनी चाहिए। आप विश्वासियो को, यीशु के मरने और मौत पर विजय पाने, के आसपास के घटनाएँ जानने विशेष कार्यक्रम मनाने में सहायता करें।

1. **अपने दिल और दिमाग को प्रार्थना के द्वारा प्रभु के वचन के लिए तैयार करें।**

   वचन में वह घटनाएं देखे जो यीशु के पुनरूस्थान के लिए है।

   यीशु की मृत्यु से पहले **शनिवार**, देखे यूहन्ना 12:1-11

- लाजर की बहन मरियम ने यीशु की मौत की तैयारी के लिए क्या किया।

ईस्टर से पहले **इतवार**, देखे मत्ति 21:1-13

- जकर्याह नबी ने बहुत पहले भविष्यवाणी की जो यीशु ने यरूशलेम में प्रवेश के द्वारा पूरी की।
- यीशु ने मन्दिर में से किनको निकला।

ईस्टर से पहले **सोमवार**, देखे मरकुस 11:15-18

- यीशु ने ऐसा क्या किया कि धार्मिक अगुवे उसको मारना चाहते थे।

ईस्टर से पहले **मंगलवार**, देखे मरकुस 11:27-23

- क्यों बपतिस्मा देने वाले के बारे में पूछने पर जवाब देने से इन्कार किया।

ईस्टर से पहले **बुधवार** पढ़े

- मरकुस 13:1-10 और 21-27 यीशु ने अपने वापस आने के दिनो के बारे में क्या बताया।
- मरकुस 13:10 यीशु के आने से पहले सुसमाचार सब जातियों में प्रचार किया जाए।
- मरकुस 13:32-33 कौन जानता है यीशु कब आएगा।

ईस्टर से पहले **गुरूवार** पढ़े मरकुस 14:12-72

- फसह के पर्व मनाने के लिए यीशु ने क्या आज्ञा दी।
- उसकी महान आज्ञाकारी प्रार्थना।
- क्यों महायाजक ने यीशु के कपड़े फाड़े।
- मसीह यीशु का किसने इन्कार किया और फिर रोया।

ईस्टर से पहले **शुक्रवार**-ढूढे मरकुस अध्याय 15

- पद 1-11 यीशु के बदले किसको आजाद किया गया।
- पद 12:20 किस प्रकार सिपाही यीशु को मजाक या उपहास कर रहे थे।
- पद 21-39 उस सूबेदार जो मसीह यीशु को सलीब पर चढ़ाने में मुखिया था, उसने यीशु के बारे में क्या कहा।
- पद 40:47 उन्होंने यीशु के बदन का क्या किया।

ढूढिए यूहन्ना अध्याय 5:24-29 में की वह कौन कब्रों में से जी उठेगे, दोनो सुकर्म और कुकर्म करने वाले।

ढूंढे लुका अध्याय 24:

- यीशु सप्ताह के किस दिन जी उठा। (पद 1)
- स्वर्गदूतों ने प्रेरितो को क्या याद दिलाया, जो यीशु ने कहा था। (2-9)
- जीवित होने के पश्चात यीशु मार्ग में दो व्यक्तियो को क्या बता रहा था जिससे उन्हें हृदयवेदना हुई। (10-45)
- कैसे यीशु ने साबित किया कि वह भूत नही है। (36-45)
- यीशु ने प्रेरितो को किस बात का गवाह ठहराया। (46-48)

पढ़े प्रेरितो के काम अध्याय 1:3 कि यीशु प्रेरितो को कितने दिन तक प्रकट हुए।

पढ़े प्रेरितो के काम अध्याय 1:1-9 में कि यीशु की शिष्यों से अन्तिम वादा

पढ़े 1 कुरिन्थियो अध्याय 15...

- यदि यीशु मुर्द में से जी नहीं उठा तो विश्वासियो को क्या आशा है। (12-20)
- यीशु को “आखिरी आदम” क्यों कहतें हैं। (पद 21-26 और 45-50)
- किस प्रकार हमारा नया शरीर सम्पूर्ण रूप से भीन्न होगा (27-44)

पढ़े प्रेरितो के काम 2:22-36 में पिन्तेकुस्त के दिन जब पवित्र आत्मा पतरस पर उतरा तो उसने पुनरूत्थित यीशु को क्या महत्व दिया।

- जब भी प्रेरित गवाही देते थे यह जोर देते थे कि यीशु के पुनरूथान सत्य है। उदाहरण के लिए पढ़े प्रेरितो के काम अध्याय 3:12-21, 4:1-3,13:15-41,17:2-3 तथा 26:1-23)

2. अपने सहयोगी के साथ मिलकर ईस्टर से पहले और ईस्टर तक कार्यक्रम बनाए।

- अपने दोस्तो और रिश्तेदारो से मिले और उनको यीशु के जी उठने का सुसमाचार सुनाए तथा अपनी सहभागिता बनाएँ।
- सहायता किजिए की हर विश्वासी गवाही दें सके जैसे पौलुस प्रेरितो के काम अध्याय 22:1-22 में कहता है कि पुनरूत्थित यीशु से मिलने के बाद उसका जीवन कैसे बदल गया।

अपने सहयोगी के साथ मिलकर ईस्टर की खास प्रार्थना का कार्यक्रम बनाए।

3. किसी भी क्रम में वह कार्यक्रम रखे जो वर्तमान जरूरतों तथा स्थानिय रीति रिवाज के अनुसार हो।

बच्चो ने जो नाटक, कविता या प्रश्न तैयार किए हैं, वह प्रस्तुत करें।

यीशु के पुनरूथान की घटनाओं का पुनरीक्षण करें। (भाग एक) यीशु के पुनरूथान को दोहराए या करें। लूका अध्याय 24 (भाग एक) यीशु का पुनरूत्थान क्यों जरूरी था, व्याख्या करें।

- परमेश्वर हमारे अनन्त जीवन को एक ऐतिहासिक सच्चाई पर आधारित करता है। यीशु मुर्दो में से जी उठा और पश्चाताप करने वाले विश्वासियों को भी अपने बदन के हिस्से की तरह जीवित करेगा इफिसियो अध्याय 2:4-6, 1 कुरिन्थियो 12:27 और रोमियो 6:5-11
- यीशु का पुनरूथान, जैसे उसकी मृत्यु, एक उद्धार के काम का हिस्सा था। उसके लहू के द्वारा हमारे पाप क्षमा हुए। उसके पुनरूत्थान और उसमे हमारा हिस्सेदारी ने हमें अनन्त जीवन का भागीदार बनाया। 1 कुरिन्थियो 15:17-26
- मृत्यु के बाद, न हम भूत होगें और न ही हमारा पुर्नजन्म या अवतार होगा। हम सब यीशु के प्रसन्न महिमा में उठाए जाँएगे और उसको आमने सामने देखेगे! प्रकाशितवाक्य अध्याय 22:3-5 और 1 यूहन्ना 3:2

1 कुरिन्थियो अध्याय 15 (भाग 1) में वर्णित महान सच्चाई की व्याख्या करो।

यूहन्ना 11:25 **याद करो**

यीशु के अन्तिम भोज को प्रस्तुत करो। व्याख्या करो कि जीवित मसीह हमारे बीच में है जब हम रोटी तोड़ते हैं।

दो या तीन के समूह बनाओ जो एक दूसरे को उत्साहित करे तथा एक दूसरे के लिए प्रार्थना करें।